वन महोत्सव पखवाड़ा : रिपोर्ट

भारत सरकार के " #एक_पेड़_माँ_के _नाम " अभियान के तहत निदेशक, भा.वा.अ.शि.प.-शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा वन महोत्सव पखवाड़ा के दौरान 5 जुलाई को एक पौधरोपण कार्यक्रम का आगाज हुआ। इस कार्यक्रम के तहत निर्वचन केंद्र, आफरी मुख्य परिसर में पौधारोपण किया गया। संस्थान के निदेशक डॉ. तरूण कान्त ने कार्यक्रम में शामिल केंद्रीय विद्यालय के विद्यार्थिओं को संबोधित किया और प्रत्येक छात्र द्वारा उत्साहपूर्ण पौधरोपण कार्यक्रम का हिस्सा बनने की प्रशंसा करते हुये उन्हें इस कार्यक्रम का ब्रांड अम्बेसेडर बताया। डॉ. कान्त ने पौधों को मानव जीवन का अभिन्न अंग बताते हुए पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन के विभिन्न उपयोगों को अपने आस-पास के समूह में अधिकाधिक विस्तारित करने का आव्हान किया। निदेशक ने कहा कि पौधारोपण करना ही महत्त्वपूर्ण नहीं है रोपित पौधों की सुरक्षा एवं देख-रेख पूर्ण जिम्मेदारी से निभाई जानी चाहिए। इस कार्यक्रम में संस्थान की वैज्ञानिक डॉ. पूजा शर्मा ने परियोजना के तहत तैयार बॉस के उच्च गुणवत्ता वाले पौधे उपलब्ध करवाये। आगे चलकर इस पौधारोपण स्थल को एक बेम्बुसिटम के तौर पर विकसित किया जाएगा। विद्यार्थिओं को सादुल राम देवड़ा, तकनीकी अधिकारी द्वारा "हैंड्स ऑन प्रैक्टिस" के तहत पौधारोपण तकनीक की विस्तृत जानकारी प्रदान करी जिसमे विद्यार्थियों द्वारा ही पौधारोपण किया गया। प्रकृति कार्यक्रम के तहत आगंतुक छात्र समूह एवं शिक्षक गण एस. सी. सीरवी को आफरी लघु फिल्म प्रदर्शन के साथ निर्वचन केंद्र एवं प्रयोगशालाओं का भ्रमण कराया गया।

वन महोत्सव पखवाड़े के दौरान #एक_पेड़_माँ_के_नाम अभियान के तहत आफरी के सभी अधिकारयों/कर्मचारियों/शोधार्थियों द्वारा बढ़चढ़ का हिस्सा लिया और अपने घरों एवं गाँव में पौधा रोपित किया। पौधरोपण करने वाले समस्त कार्मिकों के जिओ-टैग फोटोग्राफ्स मेरी_लाइफ के प्लांटेशन पोर्टल एवं सोशल मीडिया (फेसबुक) पर विस्तार प्रभाग द्वारा अपलोड किये गए।

दिनांक 15 जुलाई, 2024 को एफडीडीआई जोधपुर परिसर में आफरी एवं एफडीडीआई के संयुक्त तत्वाधान में पौधारोपण कार्यक्रम कर पखवाड़े का समापन किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री किशन सिंह जसोल, सेवानिवृत भारतीय राजस्व सेवा अधिकारी ने अपने उद्बोधन में बताया कि प्रकृति में हो रहे बदलावों जैसे भूजल दोहन, ओरण गोचर अतिक्रमण एवं नदी जल बचाव को, आफरी जैसी संस्थाओं द्वारा विकसित उच्च गुणवता वाली देसी प्रजातियों के वृक्षारोपण एवं उनकी सुनिश्चित उत्तरजीविता से ही पर्यावरणीय क्षति को रोका जा सकता है। कार्यक्रम के अध्यक्ष, आफरी निदेशक डॉ. तरूण कान्त ने बढ़ते हुए मरुस्थलीकरण को रोकने, अवक्रमित भूमि के रोकथाम एवं पुनरुद्धार हेतु पौधारोपण एवं उनके संरक्षण के साथ नवीन वैज्ञानिक तकनीकों के समन्वय पर जोर दिया। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि केवल पौधा लगा देना ही पर्याप्त नहीं है। हमें रोपित पौधे को अपने बच्चे की तरह देखभाल कर उसे बचा कर भी रखना होगा। कार्यक्रम के सह-अध्यक्ष श्री अनिल कुमार, कार्यकारी निदेशक, एफडीडीआई ने वन महोत्सव को प्रकृति महोत्सव, जीवन महोत्सव बताते हुए वृक्षों के शहरी क्षेत्रों में गिरते हुए घनत्व को रोकने एवं भविष्य में वृद्धि हेतु आवश्यक बताया। कार्यक्रम का आरम्भ मुख्य अतिथि एवं अन्य गणमान्यो द्वारा वृक्षारोपण कर किया गया जिसमे आफरी एवं एफडीडीआई के अधिकारी/ कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। वन एवं पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में किये जाने वाले उत्कृष्ट कार्य हेतु श्री अंकित जैन, ई. एफ. पॉलीमर, सौमाली फौजदार, खान मजदूर सुरक्षा अभियान ट्रस्ट एवं श्री नरेन्द्र शर्मा, पर्यावरणविद को उनके द्वारा पर्यावरण के क्षेत्र में किये जा रहे उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया तथा प्रशस्ति पत्र प्रदान किए। एफडीडीआई संस्थान द्वारा आगन्तुको को प्रयोगशालाओं एवं कार्यशालों का भ्रमण कराया गया। कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन डॉ. संगीता सिंह, समूह समन्वयक (शोध) एवं संचालन श्रीमती कुसुम परिहार द्वारा किया गया।

वन महोत्सव पखवाड़े का शुभारम्भ

वन महोत्सव पखवाड़ा
1-15 जुलाई, 2024

वन महोत्सव पखवाड़ा
1-15 जुलाई, 2024

1-15 जुलाई, 2024

वन महोत्सव पखवाड़ा
1-15 जुलाई, 2024

समापन समारोह की झलकियाँ

वन महोत्सव

FDI
वन महोत्सव

MS. KUSUM LATA PARIHAR
ACTO, AFEI